

सीमा पर तनाव कम करने हेतु सहमत हुए भारत-चीन

प्रलिमिस के लिये:

पेट्रोलगि प्वाइंट 15 और 17A, हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा पोस्ट, पैंगोंग त्सो झील, गलवान घाटी, चांग चेनमो नदी, कोंगका पास

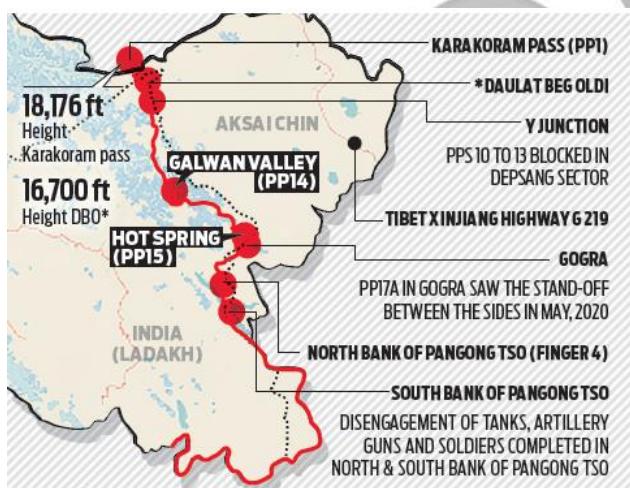
मेन्स के लिये:

भारत-चीन विवाद

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पूर्वी लद्दाख में गतरीधि को हल करने के लिये भारत और चीन के वरषिठ सैन्य कमांडरों के बीच 12वें दौर की चर्चा हुई जिसमें दोनों ने सीमा पर तनाव कम करने हेतु सैद्धांतिक रूप से पूर्वी लद्दाख में एक प्रमुख गशती बढ़ि पर अलगाव की सहमतिव्यक्त की है।

- 11वीं कोर कमांडर स्तर की वारता अप्रैल 2021 में हुई थी जब दोनों पक्ष एक संयुक्त बयान पर भी सहमत नहीं हो पाए थे।



प्रमुख बढ़ि

वर्तमान अलगाव:

- भारत और चीन की सेना के मध्य पेट्रोलगि प्वाइंट (PP) 17A (गोगरा पोस्ट) पर समझौता हो गया था लेकिन चीन PP15 (हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र) से पीछे हटने को इच्छुक नहीं है; वह इस बात पर ज़ोर देता है कि यह क्षेत्र उसकी वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के अधीन है।
 - PP17A में अलगाव की उस प्रक्रिया का पालन करने की संभावना है जिसे PP14 के लिये गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो में अपनाया गया था, जहाँ वापसी के लिये एक समय-सीमा निर्धारित की गई थी।
- दोनों पक्ष मौजूदा समझौतों और प्रोटोकॉल के अनुसार इन शेष मुद्दों को शीघ्रता से हल करने तथा बातचीत एवं वारता की गतिको बनाए रखने पर सहमत हुए।
- वे इस बात पर भी सहमत हुए कि अंतरमि तौर पर वे पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी के साथ स्थरित सुनिश्चित करने के लिये अपने प्रभावी प्रयास जारी रखेंगे और संयुक्त रूप से शांतिबनाए रखेंगे।

पेट्रोलगि प्वाइंट 15 और 17A:

- भारत और चीन के बीच वास्तविक नयिंत्रण रेखा (LAC) के साथ भारतीय सेना को कुछ ऐसे स्थान दिये गए हैं, जहाँ इसके सैनिकों की पहुँच अपने नयिंत्रण वाले क्षेत्र में गश्त करने तक है।
- इन पॉइंट्स को पेट्रोलगि प्लाइंट या PP के रूप में जाना जाता है और इनका निधारण चीन स्टडी ग्रुप (CAG) द्वारा तय किया जाता है।
 - CSG को स्थापना वर्ष 1976 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के काल के दौरान हुई थी और यह चीन के संदर्भ में नियन्त्रण लेने वाली सर्वोच्च संस्था है।
- **डेप्सांग मैदानों** जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, ये पेट्रोलगि प्लाइंट LAC पर ही स्थित हैं और सैनिक इन बढ़िओं तक पहुँच कर क्षेत्र पर अपना नयिंत्रण स्थापित करते हैं।
 - यह एक महत्वपूर्ण प्रकरण है क्योंकि भारत और चीन के बीच की सीमा अभी तक आधिकारिक रूप से सीमांकति नहीं हुई है।
 - LAC वह सीमांकन है जो भारत-नयिंत्रण क्षेत्र को चीन-नयिंत्रण क्षेत्र से अलग करता है।
- PP15 और PP17A, वास्तविक नयिंत्रण रेखा के साथ लद्दाख में स्थिति 65 पेट्रोलगि पॉइंट्स में से दो हैं।
 - ये दोनों पॉइंट्स एसे क्षेत्र में हैं जहाँ भारत और चीन LAC के संरेखण पर काफी हृद तक सहमत हैं।
- PP15 हॉट स्प्रिंग्स के रूप में पहचाने जाने वाले क्षेत्र में स्थित है, जबकि PP17A गोगरा पोस्ट नामक क्षेत्र के पास है।

हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा पोस्ट की अवस्थिति:

- हॉट स्प्रिंग्स चांग चेनमो (Chang Chenmo) नदी के उत्तर में है और गोगरा पोस्ट इस नदी के गलवान घाटी से दक्षिण-पूर्व दिशा से दक्षिण-पश्चिमी की ओर मुड़ने पर बने हेयरपिन मोड़ (Hairpin Bend) के पूर्व में है।
- यह क्षेत्र काराकोरम शैरेणी (Karakoram Range) के उत्तर में है जो पैंगोंग तसो (Pangong Tso) झील के उत्तर में और गलवान घाटी के दक्षिण में स्थित है।

हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा पोस्ट का महत्व:

- यह क्षेत्र कॉंगका दर्रे (Kongka Pass) के पास है जो चीन के अनुसार भारत और चीन के बीच की सीमा को चहिनति करता है।
- भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा का दावा पूर्व की ओर अधिक है, क्योंकि इसमें पूरा अक्साई चनि (Aksai Chin) का क्षेत्र भी शामिल है।
- हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा पोस्ट, चीन के दो सबसे अशांत प्रांतों (ज़ानिजियांग और ताबिबत) की सीमा के करीब हैं।

प्रमुख घरेण बढ़ि:

- PP15 व PP17A के अलावा गलवान घाटी (Galwan Valley) में PP14 और पैंगोंग तसो (Pangong Tso) के उत्तरी तट पर फगिर 4 तथा चांग चेनमो नदी (Chang Chenmo River) के दक्षिणी तट पर रेजांग ला एवं रेचन ला (Rezang La and Rechin La) को घरेण बढ़िओं के रूप में पहचाना गया है।

पैंगोंग तसो झील (Pangong Tso lake):

- पैंगोंग झील केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में स्थित है।
- यह लगभग 4,350 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है और वशिव की सबसे ऊँची खारे पानी की झील है।
- लगभग 160 किमी. तक फैली पैंगोंग झील का एक-तहिई हसिसा भारत में और अन्य दो-तहिई चीन में स्थित है।

गलवान घाटी (Galwan Valley):

- गलवान घाटी सामान्यतः उस भूमिको संदर्भित करती है, जो गलवान नदी (Galwan River) के पास मौजूद पहाड़ियों के बीच स्थित है।
- गलवान नदी का स्रोत चीन की ओर अक्साई चनि में मौजूद है और आगे चलकर यह भारत की श्योक नदी (Shyok River) से मलिती है।
- घाटी रणनीतिक रूप से पश्चिम में लद्दाख और पूर्व में अक्साई चनि के बीच स्थित है, जो वर्तमान में चीन द्वारा अपने झजियांग उझुर स्वायत्त क्षेत्र के हसिसे के रूप में नियंत्रित है।

चांग चेनमो नदी (Chang Chenmo River):

- चांग चेनमो नदी या चांगचेनमो नदी श्योक नदी की एक सहायक नदी है, जो सधि नदी परणाली का हसिसा है।
- यह विवादित अक्साई चनि क्षेत्र के दक्षिणी कनिरे और पैंगोंग झील बेसनि के उत्तर में है।
- चांग चेनमो का स्रोत लनक दर्रे के पास है।

कॉंगका पास (Kongka Pass):

- कॉंगका दर्रा या कॉंगका ला एक पहाड़ी के ऊपर एक नचिला पहाड़ी दर्रा है जो चांग चेनमो घाटी में प्रवेश करता है। यह लद्दाख में विवादित भारत-चीन सीमा क्षेत्र में है।

काराकोरम रेंज (Karakoram Range):

- इसे कृष्णागरी के नाम से भी जाना जाता है जो ट्रांस-हमिलयी पर्वतमाला की सबसे उत्तरी सीमा में स्थिति है। यह अफगानिस्तान और चीन के साथ भारत की सीमाएँ बनाता है।
- यह पामीर से पूर्व की ओर लगभग 800 किमी। तक फैला हुआ है। यह ऊँची चोटियों [ऊँचाई 5,500 मीटर और उससे अधिक] वाली एक शेरणी है।
- कुछ चोटियाँ समुद्र तल से 8,000 मीटर से अधिक ऊँची हैं। K2 (8,611 मीटर) [गॉडवनि ऑस्टेन या क्यूगीर] वशिव की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है और भारतीय संघ की सबसे ऊँची चोटी है।
- लद्दाख का पठार काराकोरम रेंज के उत्तर-पूर्व में स्थिति है।

स्रोत: द हादि

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/china-india-agreed-to-disengage>

